गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-526

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी आत्मकथा साहित्य

श्रेयांक: 02 (30)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-2023

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	आत्मकथा विधा की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• विद्यार्थियों को आत्मकथा विधा की जानकारी कराना। • विद्यार्थियों को विभिन्न आत्मकथाओं के माध्यम से लेखक के सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	• आत्मकथा: • अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास	**11**
	• निर्धारित आत्मकथाएँ 1) यशपाल: सिंहावलोकन 2) निर्मला जैन: ज़माने में हम 3) तुलसीराम: मुर्दहिया 4) रमणिका गुप्ता: हादसे	**19**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद-संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण, वृत्तचित्र।	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1) गुप्ता, रमणिका. आपहुदरी (एक ज़िद्दी लड़की की आत्मकथा), सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2015. 2) जैन, निर्मला. ज़माने में हम. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012.	

	3) तुलसीराम, मुर्दहिया. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012. 4) यशपाल. सिंहावलोकन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007.	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) चतुर्वेदी, पंकज. आत्मकथा की संस्कृति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2003. 2) डॉ॰ हरिमोहन. साहित्यिक विधाएँ पुनर्विचार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 1997. 3) वर्मा, डॉ॰ धीरेंद्र. (प्रधान संपादक), वर्मा, ब्रजेश्वर. भारती, धर्मवीर. चतुर्वेदी, रामस्वरूप (संयोजक) हिंदी साहित्य कोश भाग-1 (पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1985. 4) 'विद्यालंकार', डॉ॰ विश्वबंधु शास्त्री. हिंदी का आत्मकथा साहित्य, राधा प्रकाशन दिल्ली, 1984. 5) सिंदल, डॉ॰ आनंद. आत्मकथा: साहित्य, सिद्धांत और समीक्षा, अमन प्रकाशन कानपुर, उत्तर प्रदेश, 2014.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी आत्मकथा विधा से परिचित होंगे। • विद्यार्थी विभिन्न आत्मकथाओं के माध्यम से लेखक के सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचित होंगे।	